# NEWSLETTER

GOLD : 50810
SILVER : 57148
CRUD OIL : 8299
*(as on 08/07/22)*

Download Our App **"SIS CONNECT"** For Daily Updates. CLICK HERE

*11/07/2022*

# सुनहरा है टेक्सटाइल इंडस्ट्री का भविष्य

## औरंगाबाद की जिनिंग फैक्टी के मालिक किरण भंडारी से चर्चा

एक जानकारी के अनुसार गारमेंट इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो देश में डायरेक्टली और इनडायरेक्टली 27 प्रतिशत आबादी को रोजगार प्रदान करती है। इस बात से इस यह स्पष्ट है कि इस इंडस्ट्री का फ्यूचर बहुत ब्राइट है। पिछले साल किसानों को कपास के जो दाम मिले है उससे इस साल पूरे देश के किसान कपास की खेती की ओर आकर्षित हुए है। औरंगाबाद की ही बात करें तो इस बार यहां लगभग 25 प्रतिशत कॉटन सोइंग ज्यादा हुई है। कुछ जिनर्स ने भी अच्छा मुनाफा कमाया हैए हालांकि मुनाफा कमाने वाले जिनर महज 10 से 15 प्रतिशत ही रहें क्योंकि बढ़ती कीमतों के चलते ज्यादातर जिनर्स माल को स्टॉक नहीं कर पाएं। यह जानकारी दी उस्मानपुरा औरंगाबाद के जिनर किरण भंडारी ने।

### डिमांड कम होने से भाव हुए कम

एसआईएस से खास बातचीत में किरणजी ने बताया कि हमारे एरिया में कई किसान ऐसे है जो सोयाबीन और गन्ने की खेती को छोड़ इस बार कपास की खेती कर रहे है। किसानों को भरोसा है कि इस साल भी कपास से उन्हें अच्छा मुनाफा होगा। हालांकि वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस बार हमारे एरिया में कॉटन के भाव लगभग 7500 रूपए या इसके भीतर रहना चाहिए। भाव कम होने की एक बड़ी वजह है खपत और डिमांड में कमी आना।

### सेलर और बायर के बीच हो प्रॉपर चैन सिस्टम

एक जिनर होने के नाते उन्होंने बताया कि जिनर के लिए सबसे बड़ी समस्या है बायर और सेलर के बीच प्रॉपर बिजनेस चैनल का ना होना। जिनर छोटा हो या बड़ा अपना माल बेचने के लिए वो ब्रोकर की मदद लेता है। ऐसे में जब कॉटन बेल्स का भाव तेज हो तब तो सारा माल बिक जाता है लेकिन जब भाव कम होते है तो मिल्स कई बार माल को रिटर्न कर देती है। ऐसे में एक जिनर को बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है और इस पूरी प्रक्रिया में वो केवल ब्रोकर पर ही निर्भर होता है।

### इंडस्ट्री को फायदा होगा यदि

- सरकार आरसीएम कैंसिल कर दें।
- बायर और सेलर के बीच एक प्रॉपर चैनल हो।
- लेबर कॉस्ट थोड़ी सस्ती हो।
- नाबार्ड और टफ्ट जैसे सब्सिडी प्लान जल्द दोबारा शुरू हो।
- इलेक्ट्रिसिटी में सब्सिडी मिलें।


**सुनहरा अवसर**

इंडस्ट्री से जुड़े **40** हजार से ज्यादा लोगों तक पहुंचाए अपने बिजनेस की हर जानकारी हमारे माध्यम से पाएं अपने बिजनेस को बढ़ाने का सुनहरा अवसर

जानकारी के लिए संपर्क करें-
9111977771


## *जनिए टेक्सटाइल निवेशकों के लिए कैसा रहा ये सप्ताह*

04 जुलाई से 09 जुलाई के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर रिपोर्ट पर एक नजर

पिछले कुछ महीनों से शेयर मार्केट में गिरावट का माहौल था जिसका असर टेक्स्टाइल कंपनीज के निवेशकों पर भी पड़ा। पिछले सप्ताह पर नजर करें तो शेयर मार्केट में प्रमुख टेक्सटाइल प्लेयर्स कुछ खास परफॉर्म नहीं कर पाएं। आइए जानते है बीएससी के मंच पर क्या रही इन कंपनी के शेयर्स की रिपोर्ट-

| कंपनी | करंट प्राइज | हाइएस्ट प्राइज | लोएस्ट प्राइज | हलचल |
|---|---|---|---|---|
| वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड | 277.55 | 285.75 | 271.60 | 0.2 % |
| अरविंद लिमिटेड | 89.25 | 93.40 | 88.00 | -1.65 % |
| वेल्सपन इंडिया | 69.95 | 73.65 | 69.70 | -1.2 % |
| रेमण्ड | 971.30 | 975.60 | 852.45 | -12.81 % |
| नीतिन स्पीनर्स | 206.40 | 211.15 | 200.00 | +0.73 % |
| अक्षिता | 225.80 | 245.65 | 223.90 | -5.09 % |

### *किसान की आवाज*

*महाराष्ट्र के खामगांव एरिया के छोटे से गांव कंजारा के एक किसान समीर मिर्जा ने बताया कि हमारे गांव में किसानों के पास सबसे बड़ी चुनौति होती है फसल बो लेने के बाद उसकी रोगों से सुरक्षा करना। कपास की फसल हो या सोयाबीन की गांव के किसानों को इस बात की पूरी जानकारी ही नहीं है कि, किस वक्त कौन से कीटनाशक का कितनी मात्रा में प्रयोग करना है। नतीजा या तो फसल खराब हो जाती है या जमीन की उपजाउ क्षमता में कमी आने लगती है। हमारी सरकार से बस यही अपील है कि कम पढ़े-लिखे किसानों के लिए अवेयरनेस प्रोग्राम छोटे गांवों में भी चलावें। समीर ने बताया कि हमारे गांव में पिछले साल के मुकाबले कपास की बुआई इस बार 20 प्रतिशत ज्यादा हुई है। यहां लेबर बहुत महंगी है अन्यथा कपास का रकबा और भी बढ़ता।*